2. समाजवाद एवं साम्यवाद

• **समाजवाद -** समाजवाद एक ऐसी विचारधारा होती है। जिसके तहत समाज के किसी भी वर्ग के साथ कोई भेदभाव न किया जाता है, समाजवाद कहलता है। यह राज्य को अपनाना चाहता है। यह सभी वर्गों के समन्वय की बात करता है। समाजवाद शब्द का पहला प्रयोग 1827 ई० में हुई।

• **समाजवादी विचारधारा -** जिन व्यक्तियों के अन्दर समाजवाद की भावना उत्पन्न होती थी या जिन्होंने समाजवाद को आगे बढाया। जो मजदूरों के बारे में सोचा करते थे। उन्हें समाजवादी कहा जाता था। जिसमे मुख्य नाम सेंट साइमन, रावर्ट ओबेन, फौरियर, कार्ल मार्क्स एवं एगेंल्स इत्यादी ।

समाजवादी दो तरह के होते थे।

1. आरंभिक समाजवादी - कार्ल मार्क्स से पहले के समाजवादी को आरंभिक समाजवादी कहा गया। इन्हें ही स्वप्नदर्शी या यूटोपीयन समाजवादी कहा गया। सबसे प्रथम यूटोपीयन समाजवादी सेंट साईमन था। जिनका यह कहना था की प्रत्येक व्यक्ति को उनकी क्षमता के अनुसार काम मिले और काम के अनुसार उसका पारिश्रमिक भी मिलना चाहिए। ये औधोगिकरण के खिलाफ थे।

2. कार्ल मार्क्स के बाद का समाजवाद –

Q. फैक्ट्री के मालिकों ने मजदूरों पर कैसे-कैसे अत्याचार किये।

- मजदरों को मजदूरी कम देते थे।

समय से ज्यादा घंटे काम लेते थे। मजदरों के काम करने के अच्छी नही थी।

*** रावर्ट ओवेन :-** इंग्लैंड में समाजवाद का जनक ब्रिटिश उधोगपति रावर्ट ओवेन को ही कहा जाता है। इनका ऐसा मानना था की औधोगिकरण व्यवस्था के फलस्वरूप जो कारखाना का जन्म हुआ है उससे श्रमिकों का शोषन किया जा रहा है। अतः श्रमिको को शोषण से बचाने के लिए इन्होने स्कॉटलैंड के न्यू लूनार्क नामक जगह पर आदर्श कारखाना की स्थापना की। और इन्होने मजदरों के हित में सोचा और अच्छा काम किया।

जैसे :- ★ मजदूरों के मजदूरी को बढ़ा दिया।

★ काम के घंटे कम कर दिए।

★ मजदूरों के बच्चों को पढने का व्यवस्था किया। ताकि मजदुर के बच्चे भी पढ़ सके।

★ रहने, खाने, ईलाज का व्यवस्था किया।

2. साम्यवाद - साम्यवाद भी एक ऐसी विचारधारा होती है। जो समाज मे रहने वाले किसी भी वर्ग के साथ कोई भेदभाव नही करता है। साम्यवाद कहलाता है। साम्यवाद का देन कार्ल मार्क्स और फ्रेडरिक एंगेल्स को कहा जाता है यह मजदूरों के साथ हो रहे अत्याचार को मिटाना चाहता है। इनका कहना था की अधिकार और कर्तव्य में सामंजस्य स्थापित होना चाहिए। न्याय से कोई वंचित नहीं होगा और मानवता एक मात्र जाति होगी।

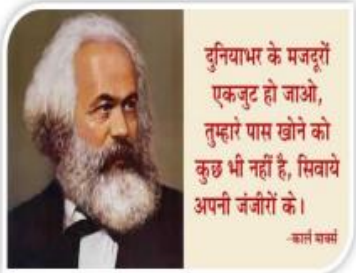

*** कार्ल मार्क्स :**

★ **जन्म -** 5 मई 1818 ई० में (जर्मनी के राइन प्रान्त में)

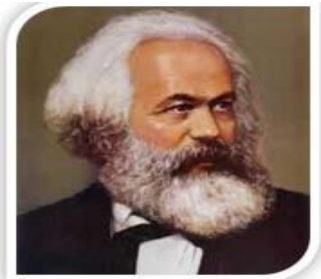

★ **पिता का नाम -** हेनरिक मार्क्स (वकील)

★ **धर्म -** यहूदी (बाद में इसाई धर्म को अपनाया)

★ **शिक्षा -** बोन और बर्लिन विश्वविद्यालय में –

★ यह मॉन्टेस्क्यु और हिगेल के विचारो से प्रभावित था।

★ 1843 ई० में वचपन की दोस्त जेनी से विवाह किया –

★ 1844 में इन्होने घर छोड़ दिया और पेरिस में फ्रेडरिक एंगल्स से मुलाकात हुई –

★ 1848 ई० में इन्होने साम्यवादी घोषणापत्र (कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो) निकाला –

★ इन्हें आधुनिक समाजवाद का जनक कहा जाता है।

★ 1867 में इन्होने एक किताब लिखा दास कैपिटल जिसे समाजवादियों का बाइबिल कहा जाता है

★ 1883 में 65 वर्ष की आयु में कार्ल मार्क्स का निधन हो गया।

कार्ल मार्क्स के सिद्धांत –

1. द्वंद्वात्मक भौतिकवाद का सिद्धांत

2. वर्ग-संघर्ष का सिद्धांत

3. इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या

4. मूल्य एवं अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत

5. राज्यहीन व वर्गहीन समाज की स्थापना

★ कार्ल मार्क्स ने इतिहास को 5 भागों में बाँटा

1. सबसे पहले आदिम साम्यवादी युग था

★ 1 मई 1890 ई० को मजदूरों ने अमेरिका में हड़ताल किया और मजदुर दिवस मनाया, और आज भी इस दिन को हम मजदुर दिवस के रूप में मनाते है।

2. दासता युग आया

3. सामंती युग

4. पूंजीवादी युग

5. समाजवादी युग और साथ ही कार्ल मार्क्स ने यह बोला की एक छठा युग भी आएगा जो वर्गविहीन युग आएगा, जिसे मजदुर लोग लेकर आयेंगे।

Q. यूटोपियन समाजवादियों के विचारो को प्रकट करे।

उत्तर - ऐतिहासिक दृष्टिकोण से आधूनिक समाजवाद को दो वर्गो मे बाँटा गया है।

1. माक्स से पहले समाजवाद को यूटोपियन समाजवाद कहा जाता है।

2. माक्र्स के बाद समाजवाद को वैज्ञानिक समाजवाद कहा जाता है। अधिकतम यूटोपियन विचारक फ्रांसीसी थे।

प्रमुख विचारक –

1. सेन्ट साईमन - इन्होने समाजवादी विचारधारा को काफी आगे बढ़ाने का कार्य किया। इनका मानना था कि राज्य एवं समाज को इस तरह संगठित करना चाहिए ताकि लोग एक दुसरे का शोसन न कर सके।

2. चार्ल्स फौरियर - अगर कोई व्यक्ति किसी गाँव, कस्वा, नगर मे रहता है तो उसे भी कोई काम करना चाहिए।

3. लुई ब्ला - इनका कथन था कि आर्थिक सुधार से पहले राजनीतिक सुधार आवश्यक है ।

Q. मार्क्सवाद के आर्दश को लिखे।

उत्तर - मार्क्सवाद का मुख्य उद्देश्य एक वर्गहीन समाज की स्थापना करना तथा समाज में फैले हुए बुराईयो को हटाना हम सभी के समाज में हर संप्रदाय के लोग रहते है। उनके साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नही किया जाना चाहिए।

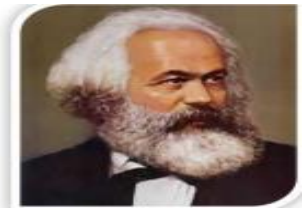

Q. कार्ल मार्क्स के जीवनी को लिखे।

उत्तर - कार्लमार्क्स का जन्म 5 मई 1818 ई० को जर्मनी के राइन प्रांत में ट्रीयर नगर में एक यहुदी परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम हेनरिक मार्क्स था। जो पेशे से वकील थे। इन्होने 1824 ई० मे आगे चलकर इसाई धर्म को अपनाया । इनकी प्रारंभिक शिक्षा वोन एवं बरलिन विश्व विद्यालय मे 1836 ई० मे हुआ। यह बचपन से ही मेघावी छात्र थे। इन्होने अर्थशास्त्र का गहन अध्ययन किया। 1843 ई० मे बचपन के मित्र जेनी के साथ विवाह किया और 1844 ई० मे फ्रेडरिक एंगेल्स से मुलाकात हुई और इनके विचार से प्रभावित हुए और गरीबो की समस्या पर विचार किए। कार्ल मार्क्स ने नारा लगाया की दुनिया के मजदुरो एक हो जाओ । साथ ही पूँजीवाद का घोर विरोध किया। जो कि पूँजीवाद लोग गरीबो को जमकर शोषण कर रहे थे। इनकी प्रसिद्ध रचना दास कैपिटल है। जो 1867 ई० मे प्रकाशित हुआ था। इसे समाजवादियों का बाईबील भी कहा जाता है। कार्ल मार्क्स का मौत 1883 मे लंदन में हो जाता है।

Q. पूँजीवाद क्या है ?

उत्तर - यह एक प्रकार की राजनितिक एवं आर्थिक संस्था होती है। जो निजी लाभ और निजी सम्पति के बारे मे सोचता है, पूँजीवाद कहलाता है। इसमे उत्पादन के साधनों पर सरकार का अधिकार नही होता बल्कि कोई निजी संस्था संस्था का अधिकार होता है।

★ यह सार्वजनिक एवं आर्थिक गतिविधियों का विरोध करता है।

★ इसमे ज्यादा से ज्यादा मुनाफा और व्यापार प्राप्त किया जाता है। जैसे- अमेरिका, बिट्रेन इत्यादि ।

Q. उपनिवेशवाद क्या है?

उत्तर - जब कोई शक्तिशाली एवं उन्नत देश किसी कमजोर देश के ऊपर अपना शासन और नियंत्रण स्थापित कर लेता है, उसे उपनिवेश कहा जाता है। और उपनिवेश स्थापित करने की प्रक्रिया को अपनिवेशवाद कहा जाता है। इसमें तानाशाही शासन होता है। जो संस्कृति, आर्थिक, राजनीतिक क्षेत्रो पर जमकर शोषण करते है। और अधीक से अधिक लाभ कमाते है।

Q. बाम्यपन्तीं और दक्षिणापन्थ मे क्या अंतर है?

उत्तर – वाम्यपन्थी - यह एक ऐसी विचारधारा होती है जिसमें सरकार के द्वारा एक निती बनाया जाता है जिसमे गरीब, दलित, पिछड़ा दबाकुचला लोगों को सहायता किया जाता है जिसे वामपन्थी कहते है। यह पूँजीवाद का विरोधी होती है ।

दक्षिणापन्थ - यह एक ऐसा विचारधारा होती है जिसमें सरकार अर्थव्यवस्था में हस्तक्षेप नही करता है इसमे खुली प्रतियोगता होती है। यह पूँजीवाद का समर्थक होता है।

रूस में क्रांति

रूस में मुख्य रूप से दो क्रांति हुई ।

1. 1905 ई० की क्रांति **(रोमनोव राजवंश)**

2. 1917 ई० की क्रांति

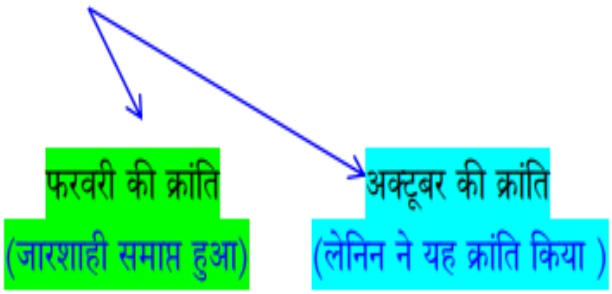

Q. खुनी रविवार से आप क्या समझते है?

उत्तर - 9 जनवरी 1905 ई० को जारसत्ता को मिटाने के लिए लगभग एक लाख मजदूर आपस मे मिलकर रोटी दो का नारा लगाते हुए राजा के सेंट पिट्ववर्ग महल की ओर जार रहे थे। जिसकी सुचना मिलते ही राजा ने सैनिको को निहथे लोगो पर गोली चलाने का आदेश दे दिया। जिससे हजारो हजार की संख्या मे लोगो को मौत हो गई और यह घटना दिन रविवार को घटा था। जिसके कारण इसे खुनी रविवार कहा जाता है। इसे लाल रविवार भी कहा जाता है। यह आंदोलन खुनी रविवार के नाम से जाना जाता है।

Q. रूस के क्रांति (1917) के मुख्य कारण को लिखे।

उत्तर - रूस प के क्रांति के मुख्य कारण निम्नलिखित थे-

राजनितिक कारण

1. जार का निंरकुश शासन - रूस के क्रांति का यह सबसे बड़ा कारण माना जाता है। जिसमे रोमनोव राजवंश का जार अपने इच्छा के अनुसार काम करता था। यह एक आयोग्य शासक था। जिसे जनता की सुख दुख का कोई चिन्ता न थी। वह अपने आप को ईश्वर का प्रतिनिधि मानता था।

2. रूसीकरण की नीति - रूस में अनेक प्रकार की जातियाँ पाई जाती थी जैसे यहुदि, जर्मन, फिन, पोल, स्लाव इत्यादि। ये लोग अलग-अलग भाषा बोलते थे एवं इनका रस्म-रिवाज भी अलग-अलग था। इन सभी जातियो पर शासक ने अत्याचार किया और जार-निकोलस द्वितीय द्वारा जारी रुसीकरण की नीति से काफी परेशान था। कहा कि एक जार, एक भाषा, एक रूस, एक धार्मिक निती को अपनाओ जिसका विरोध जनता ने किया।

3. राजनितिक दलों का उदय - 1883 ई० में एक पार्टी बनी थी जिसका नाम था रुसी सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी । इसमें बहुत सारे वैसे लोग जुड़ गये थे जो जार के खिलाफ लड़ाई-झगड़ा करना चाहते थे। लेकिन बाद में 1903 में कुछ दिनों के बाद यह पार्टी टूट गयी थी। और दो हिस्सों में बंट गया जिसमे पहला था मेंसेविको की पार्टी (अमीरों की पार्टी) और दूसरा था बोल्सेविको की पार्टी (गरीबों की पार्टी)

4. नागरिक एवं राजनितिक स्वतंत्रता का अभाव &

रूस की प्रतिष्ठा में कमी &

1905 ई० के क्रांति का असर

5. प्रथम विश्वयुद्ध में रूस की पराजय - प्रथम विश्व युद्ध 1914 से 1918 तक चला। इसमे रूस मित्र राष्ट्र की ओर से लड़ा था। जिसका मुख्य उद्देश्य था की तमाम जनता आंतरिक असंतोष को भूलकर बाहरी मामलो में उलझ जायेगा और रूसी सरकार की समर्थन भी करेगा। लेकिन जार निकोलस द्वितीय की आशा पर निराशा छा गई। चुकि रूसी सेनाओ का कमान जार ने खुद संभाला था। इनके पास न तो अच्छे हथियार था और न ही पर्याप्त भोजन की सुविधा। और विश्व युद्ध मे लगातार हार होने के कारण इसका प्रतिष्ठा मिट्टी मे मिल गया। परिणाम ये हुआ कि उसका पुरा दरबार खाली हो गया।

6. रासपुटीन का प्रभाव - रासपुटीन एक भ्रष्ट पादरी था। जो जार के यहाँ ही रहता था। एवं जार का ही तथाकथित गुरु था। लेकिन उसका संबंध रूस के जार (राजा) के पत्नी जरीना से था। रासपुटिन ने जरीना को अपने वश में कर ही रखा था और जार के अनुपस्थिति में जार के खिलाफ ही षडयंत्र करने का मौका मिल गया। जरीना के सहारे वह रूस के बागडोर को भी संभाल रखा था ।

सामाजिक कारण

7. किसानो की दैनिय स्थिती - रूस के क्रांति के समय किसानो की स्थिती अत्यंत दैनिय थी क्योंकि वह अपने खेतो मे पुराने तकनीक से खेती करते थे। जिससे फसल का पैदावार अच्छा नही होता था। इसके अलावा शासको के द्वारा टैक्स वसुली करने से इन लोगो की स्थिती और दयनीय हो गई। 1861 में कृषि दासता समाप्त कर किसानों से जमीन के बदले मोटी रकम ली गयी। ऐसे में किसानों के पास क्रांति के सिवाय कोई दूसरा चारा नही था।

8. मजदुरो की दैनिय स्थिती - रूस में मजदूरो की दशा बहुत खराब हो चुकी थी। क्योंकि इन मजदूरो से अधिक समय तक कठोर काम तथा उसके बदले मे बहुत कम मजदुरी देता था। उत्तम आवास और स्वास्थय का कोई प्रबंध नही था। मजदुर लोग अपनी मांगों के समर्थन में हड़ताल भी नही कर सकते थे। इन मजदूरो के सारे विद्रोह को दबा देता था।

9. बेकारी / बेरोजगारी की समस्या - रूस के क्रांति मे बेरोजगारी की भयंकर समस्या उत्पन्न हो गई थी। लाखो लाख की संख्या मे लोग बेरोजगार हो गये थे। चुकि जीने को कोई साधन नही था। अतः लोग क्रांति पर उतर आये ।

बौद्धिक कारण

रूस में लोग धीरे-धीरे बुद्धजीवी होते जा रहे थे जो अपने लेखों और रचनाओं के जरिये लोगों को जागरूक करने का कार्य कर रहे थे। जैसे लियो टाल्सटाय ने युद्ध और शांति (War and Peace) नामक एक पुस्तक लिखी और मजदूरों में जोश भरने का कार्य किया ।

Q. रूस की क्रांति के प्रभाव परिणाम को लिखे ।

उत्तर - बोल्शेविक क्रांति ने पुरे रूस के क्षेत्रों मे विकास का परचम लहराने का कार्य किया। इन्होने जाराशाही सत्ता को मिटाकर समाजवादी गणतंत्र की स्थापना की तथा सत्ता का बागडोर किसानो एवं मजदूरो के हाथ में सौप दिया।

प्रमुख प्रभाव / परिणाम

1. रूस में स्वेच्छाचारी शासन का अंत - सदियों से चली आ रही रूस मे स्वेच्छाचारी शासन का अंत कर दिया गया तथा जार और उसकी पत्नी जरिना की हत्या (1918) कर समाजवादी गणतंत्र की स्थापना की गई।

2. ल्युनोव का नेतृत्व - ल्युनोव के नेतृत्व में उदारवादियों ने अपना सरकार बनाया और जार का सत्ता समाप्त हो गया।

2. विश्व का दो खेमो मे बॅट जाना - रूस की क्रांति ने पूरा विश्व दो भागो मे बाँट दिया। पुँजीवाद & साम्यवाद इसके साथ-साथ रूस भी दो भागो मे बॅट गया। पुर्वी रूस एवं पश्चिमी रूस

3. रूसी पंचाग:- 1917 ई० के रूस की क्रांति के समय रूस मे दो प्रकार के कैलेंडर थे। जुलियन कैलेंडर और ग्रेगोरियन कैलेंडर । जुलियन कैलेंडर को समाप्त कर ग्रेग्रेरियन को मानता दिया गया। ग्रेगोरियन कैलेंडर, जुलियन कैलेंडर से 13 दिन आगे चलता था।

4. किसानो एवं मजदूरो की स्थिती मे सुधार - रूस मे जार का शासन समाप्त होते ही सत्ता का बागडोर मजदूरो एवं किसानो के हाथो मे आ जाता है और लोग खुशीपूर्वक जीवन निर्वाह करने लगते है।

5. संविधान की रचना - 1918 ई० मे लेनिन एक संविधान बनाया था। जिसमे सबको समानता का अधिकार दिया गया और इसने धर्मनिपेक्ष की निती अपनाई ।

अक्टूबर की क्रांति –

★ जुलाई 1918 में जार और जरीना को गोली मारकर हत्या करने के बाद यानी फरवरी की क्रांति के बाद रूस में ल्युनोव के नेतृत्व में सरकार बनी ।

★ लेकिन ल्युनोव भी शासन अच्छे से नही चला पा रहा था और जनता उससे भी नाराज हो गयी क्योंकि यह मेंसेविको का नेता था, अतः ल्युनोव को हटा कर रूस में एक नया राजा बनाया गया जिसका नाम था करेंसकी।

★ लेकिन लेलिन को यह जानकर बहुत हैरानी हुई की जिस लिए यह क्रांति हुई उसमे तो कोई परिवर्तन ही नही हुआ । न तो किसानों की स्थिति सुधरी और न ही मजदूरों की, अतः उसने कहा की अभी एक क्रांति और होगा।

★ अतः लेलिन ने अपने एक खास दोस्त ट्राटास्की और सभी किसान और मजदूरों के साथ मिलकर 25 अक्टूबर 1917 ई० मे बोल्शेविको के द्वारा पेट्रोगाद के रेलवेस्टेशन, बैंक, टेलीफोन डाकघर, सरकारी भवनो पर अधिकार कर लिया जाता है। और बोल्शेविको दल का कार्यक्रम स्पस्ट किया जो अप्रैल थीसिस के नाम से जाना जाता है। लेनिन ने तीन नारे दिए भूमि, शांति और रोटी। इसमे कैरेंसकी की सरकार भाग जाती है। और सत्ता का बागडोर बोल्शेविको के पास आ जाती है। जिसका नेता लेनिन को बनाया गया। इस क्रांति को बोल्शेविक नवम्बर की क्रांति भी कहा जाता है।

Q. लेलिन कौन था ?

- लेलिन बोल्सेविक दलों का सबसे बड़ा नेता था। बचपन से ही लेलिन का झुकाव साम्यवाद की तरफ था। यह जारसाही के विरुद्ध थे। जिसका सबसे बड़ा कारण था, इसके बड़े भाई की एक जार के हत्या के इल्जाम में गोली मारकर हत्या कर देना। 1905 के क्रांति में भी लेलिन का बहुत बड़ा योगदान था। लेकिन खुनी रविवार के घटना के बाद यह भाग कर स्विट्जरलैंड चले गये और निर्वासित जीवन व्यतीत करने

लगे। लेकिन पुनः 1917 में वह वापस लौटकर केरेंसकी की सरकार को हटाया और खुद गरीबों का मसीहा बन गया। और ट्राटास्की को अपना युद्धमंत्री बनाया। और ट्राटास्की के नेतृत्व में लाल सेना का गठन किया।

★ लेलिन के द्वारा किये गये कुछ महत्वपूर्ण काम

★ सबसे पहले लेकिन ने पूर्ण रूप से रूस में युद्ध बंद करवाया। और प्रथम विश्व युद्ध से भी रूस के सभी सेना को बापस बुला लिया।

★ इसने जर्मनी के साथ एक संधि किया जिसका नाम था ब्रेस्टलिटोवस्क की संधि । यह सिंघी जर्मनी और रूस के बीच हुआ था। जिसका गठन 1918 ई० मे लेनिन ने किया था। जिसका उद्देश्य

1. शांति स्थापित करना

2. अर्थव्यवस्था मे सुधार

3. सेनाओ के राहत मे सुधार

★ अमीरों से जमीन को छिनकर किसानों और गरीबों में बाँट दिया।

★ उपद्रवियों को शांत करने के लिए एक सेना बनाया जिसका नाम था चेका ।

★ लाल सेना का गठन किया और प्रतिक्रांति का दमन किया ।

★ नई आर्थिक निति को बनाया

★ शिक्षा में सुधार किया और प्राथमिक शिक्षा को अनिवार्य किया ।

★ प्रशासनिक सुधार हुआ और जारशाही के लोगों को हटाया ।

★ 1918 में एक नया संविधान बनाया और USSR का गठन किया

Union of Soviet Socialist Republics

नई आर्थिक निती –

Q. नई आर्थिक निती से आप क्या समझते है?

उत्तर - लेनिन के द्वारा 1921 ई० मे एक निती अपनाया गया था जिसे नई आर्थिक निती के नाम से जाना जाता है। इसे Nep (New Economic Policy) व्यवस्था मे परिवर्तन करके किसानो और जनता के हित मे सकारात्मक कार्य किए गए है जैसे :- है। लेनिन साम्यवादी

1. किसानों से अनाजों लेने के बदले एक निश्चित कर लगा दिया गया।

2. जगह- जगह पर बैंक खोल दिए गए।

3. बीस कर्मचारी से कम रहने पर भी व्यक्तिगत रूप से कल - कारखाने चलेंगे।

4. व्यापार संद्य की सदस्यता को रद्द कर दिया गया।

5. जमीन राज्य का है, लेकिन भुमि किसानो का दे दे दी जाए।

6. उद्योगो का विकेन्द्रीकरण

7. विदेशी पूँजी भी सिमित तौर पर आमंत्रित की गयी।

8. व्यक्तिगत सम्पति और जीवन की बीमा भी राजकीय एजेंसी द्वारा शुरू की गयी।

Q. क्रांति के पहले रूस की किसानो की स्थिती कैसी थी?

उत्तर - क्रांति के पहले रूस की किसानो की स्थिती दयनीय थी, क्योंकि वे अपने खेतो मे पूराने तकनीक से खेती किया करते थे। जिससे फसल का पैदावार बहुत कम होता था। साथ ही शासक के द्वारा किसानो पर टैक्स लगा दिया गया।

Q. अप्रैल थिसिस क्या है?

उत्तर - इसका गठन 16 अप्रैल 1917 ई० को लेनिन के द्वारा किया गया था। जिसका उद्देश्य कैरेंसकी की सरकार को गिराने के लिए लेलिन पेट्रोगाद शहर पहुँचाता है और अपना जोरदार भाषण देकर जनता को आर्कषित कर लिया और नारा दिया कि तुम्हे क्या चाहिए भुमि, शांति, रोटी चाहिए की युद्ध और भुखमरी ।

Q. शीतयुद्ध से आप क्या समझते है?

उत्तर - वैसा युद्ध जिसमे किसी भी प्रकार का अस्त्र शस्त्र का प्रयोग नही किया जाता है केवल बातो-बात होता है। जिसे शीत युद्ध कहते है। इसे वाक् युद्ध भी कहा जात है। यह युद्ध रूस और अमेरिका के बीच हुआ था।

Q. ब्रेस्टलिटोवस्क की संधि क्या है ?

उत्तर - यह सिंघी जर्मनी और रूस के बीच हुआ था। जिसका गठन 1918 ई० मे लेनिन ने किया था। जिसका उद्देश्य

1. शांति स्थापित करना

2. अर्थव्यवस्था मे सुधार

3. सेनाओ के राहत मे सुधार

Q. प्रथम विश्वयुद्ध में रूस की पराजय क्रांति हेतु मार्ग प्रशस्त करे।

उत्तर - प्रथम विश्व युद्ध की शुरूआत 1914 मे हुई जो 1918 तक चला। इसमे रूस मित्र राष्ट्र की ओर से लड़ा था जिसका मुख्य उद्देश्य तमाम जनता रूसी सरकार की समर्थन करेगा लेकिन जार निकोलस द्वितीय की आशा पर निराशा छा गई। चुकिं रूसी सेनाओ का कमान जार ने संभाला था। और विश्व युद्ध मे लगातार हार होने के कारण

इसका प्रतिष्ठा मिट्टी मे मिल गया। परिणाम ये हुआ कि उसका पुरा दरबार खाली हो गया।

Short Answer Type Question

समाजवाद, साम्यवाद और रूस की क्रांति

1. समाजवाद की संक्षिप्त व्याख्या करें। अथवा, समाजवाद की क्या विशेषताएँ थीं?

उत्तर - समाजवादी नागरिक और कानूनी समानता से अधिक महत्त्व सामाजिक और आर्थिक समानता को देते हैं। समाजवादियों ने ऐसी व्यवस्था की माँग की जिसमें उत्पादन के साधनों पर निजी स्वामित्व नहीं हो। आरंभिक समाजवादियों को 'स्वप्नदर्शी समाजवादी' (Utopian Socialists) कहा गया। आगे चलकर कार्ल मार्क्स और एंगेल्स ने समाजवाट की नई व्याख्या प्रस्तुत की जिसे 'वैज्ञानिक समाजवाद' का नाम दिया गया।

2. यूटोपियन समाजवादियों के विचारों का वर्णन करें।

उत्तर - इनके लिए समाजवाद एक आदर्श सिद्धांत मात्र था। वे उच्च और अव्यावहारिक आदर्शों से प्रभावित थे। वे 'वर्गसंघर्ष' की अपेक्षा 'वर्गसमन्वय' के सिद्धांत में विश्वास करते थे। सेंट साइमन, चार्ल्स फूरिए, लुई ब्लाँ तथा रॉबर्ट ओवेन इनमें प्रमुख थे। स्वप्नदर्शी समाजवादी राज्य और समाज का पुनर्गठन इस प्रकार चाहते थे जिससे शोषण की प्रक्रिया समाप्त हो जाए।

3. कार्ल मार्क्स का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

उत्तर - कार्ल मार्क्स का जन्म 1818 में जर्मनी में हुआ था। उन्होंने समाजवाद की एक नई व्याख्या की। इसे वैज्ञानिक समाजवाद कहा जाता है। दास कैपिटल उनकी विख्यात पुस्तक है। मार्क्स पूँजीवाद के विरोधी थे। वे श्रमिकों को एकजुट होकर शोषण का विरोध करने को उत्प्रेरित करते थे। वे वर्गसंघर्ष में विश्वास करते थे। उन्होंने इतिहास की आर्थिक व्याख्या प्रस्तुत की।

4. साम्यवाद एक नई आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था कैसे थी?

उत्तर - साम्यवाद ने समाजवाद की एक नई व्याख्या प्रस्तुत की । इतिहास की आर्थिक (भौतिक) विवेचना कर मार्क्स ने बतलाया कि मानव इतिहास उत्पादन के साधनों पर नियंत्रण करने के लिए

दो वर्गों, पूँजीपतियों और श्रमिकों, में संघर्ष की कहानी है। इसमें अंतिम विजय श्रमिकों की होगी, वर्गविहीन समाज की स्थापना होगी तथा सर्वहारा वर्ग की विजय होगी।

5. रूसीकरण की नीति क्रांति हेतु कहाँ तक उत्तरदायी थी ?

उत्तर - रूस में विभिन्न प्रजातियाँ निवास करती थीं। इनकी भाषा एवं संस्कृति अलग- अलग थी, परंतु जार ने देश की एकता के लिए रूसीकरण की नीति अपनाई, सब पर समान भाषा, शिक्षा और संस्कृति थोपने का प्रयास किया। 1863 में रूसीकरण की नीति के विरुद्ध पोलों ने विद्रोह कर दिया जिसे दबा दिया गया। इससे विद्रोह को भावना बलवती हुई और रूसी क्रांति की पृष्ठभूमि तैयार हुई।

6. प्रथम विश्वयुद्ध में रूस की पराजय ने क्रांति के लिए मार्ग कैसे प्रशस्त किया?

उत्तर - प्रथम विश्वयुद्ध में रूस की पराजय 1917 की रूसी क्रांति का तात्कालिक कारण बना। इस युद्ध में रूस की पराजय लगातार होती गई। युद्ध आरंभ होने पर जार निकोलस द्वितीय ने सेना की कमान अपने हाथों में ले ली। युद्ध में रूस की पराजय जारशाही के लिए घातक सिद्ध हुई। उसकी शक्ति और प्रतिष्ठा गिर गई। क्षुब्ध और क्रुद्ध होकर जनता विद्रोह पर उतारू हो गई।

7. रूस की क्रांति ने पूरे विश्व को कैसे प्रभावित किया ? अथवा, रूसी क्रांति का क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर - रूस की क्रांति के विश्वव्यापी प्रभाव पड़े-

(i) सर्वहारा वर्ग के सम्मान में वृद्धि हुई।

(ii) रूस के समान अनेक देशों में साम्यवादी सरकारों की स्थापना हुई।

(iii) विचारधारा के आधार पर विश्व और यूरोप दो खेमों में विभक्त हो गया।

(iv) अंतरराष्ट्रवाद को प्रोत्साहन मिला।

(v) शीतयुद्ध आरंभ हुआ।

(vi) एशिया और अफ्रीका में साम्राज्यवाद का पतन हुआ तथा उपनिवेश-मुक्ति आंदोलन को बल मिला।

8. लेनिन की नई आर्थिक नीति मार्क्सवादी सिद्धांतों के साथ कैसे समझौता थी ?

उत्तर - साम्यवादी व्यवस्था में व्यक्तिगत संपत्ति की अवधारणा नहीं थी, परंतु लेनिन ने तत्कालीन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए किसानों को जमीन का स्वामित्व दिया। व्यक्तिगत स्वामित्व में उद्योग चलाने का भी अधिकार नई आर्थिक नीति में दिया गया। स्पष्टतः, यह नीति मार्क्सवादी सिद्धांतों के साथ समझौता थी, परंतु इससे सोवियत संघ की अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ।

9. स्टालिन का परिचय दीजिए ।

उत्तर - लेनिन के बाद सोवियत संघ की सत्ता स्टालिन (1879-1953) के हाथों में आई। स्टालिन का अर्थ 'फौलादी पुरुष' है। सत्ता सँभालते समय उसके समक्ष अनेक समस्याएँ थीं जिनके निराकरण के लिए उसने प्रयास किया। सोवियत संघ के विकास के लिए उसने तीन पंचवर्षीय योजनाओं द्वारा औद्योगिकीकरण को बढ़ावा दिया। कृषि, विज्ञान एवं शिक्षा में सुधार किया तथा श्रमिकों की स्थिति को बेहतर बनाने का प्रयास किया। उसकी नीतियों से सर्वाधिकारी शासन की स्थापना हुई।

Long Answer Type Question

समाजवाद, साम्यवाद और रूस की क्रांति

1. यूटोपियन समाजवादियों के विचारों का वर्णन करें।

उत्तर - प्रथम यूटोपियन समाजवादी फ्रांस का सेट साइमन था। उसका मानना था कि राज्य और समाज का पुनर्गठन इस प्रकार होना चाहिए जिससे शोषण की प्रक्रिया समाप्त हो तथा प्रत्येक व्यक्ति को उसकी क्षमता के अनुसार कार्य तथा प्रत्येक को उसके कार्य के अनुसार पारिश्रमिक मिले। इसके लिए सभी लोगों को समन्वित रूप से काम करना चाहिए। उसका यह भी मानना था कि राज्य और समाज को निर्धन वर्गों के भौतिक और नैतिक उत्थान के लिए कार्य करना चाहिए। यह कथन समाजवाद का मूलभूत नारा बन गया। चार्ल्स फूरिए औद्योगिकीकरण का विरोधी था। वह चाहता था कि श्रमिकों को बड़े कारखानों की अपेक्षा छोटी औद्योगिक इकाइयों में काम करना चाहिए जिससे उनका शोषण नहीं हो सके। वह किसानों की स्थिति में भी सुधार लाना चाहता था। लुई ब्लाँ ने सुधारों की जो योजना प्रस्तुत की वह अधिक व्यावहारिक थी। उसका मानना था कि आर्थिक सुधारों को प्रभावशाली बनाने के लिए पहले राजनीतिक सोच और व्यवस्था में सुधार आवश्यक है। इंगलैंड में रॉबर्ट ओवेन ने समाजवादी विचारधारा का प्रचार किया। उसने श्रमिकों के लिए अनेक

सुधार कार्यक्रम चलाए। उसने स्कॉटलैंड के न्यू लूनार्क में एक आदर्श कारखाना खोला और मजदूरों के लिए आवास, अच्छा भोजन, अच्छी शिक्षा और अच्छी चिकित्सा की व्यवस्था की गई। वृद्धावस्था बीमा योजना लागू की गई, उचित मजदूरी दी गई, बाल मजदूरी समाप्त की गई तथा काम के घंटे घटाए गए। उसका मानना था कि संतुष्ट श्रमिक ही वास्तविक श्रमिक है। इन समाजवादियों ने वर्गसंघर्ष के स्थान पर वर्गसमन्वय की विचारधारा पर बल दिया।

2. समाजवाद के उदय और विकास को रेखांकित करें। समाजवाद और साम्यवाद में क्या अंतर है?

उत्तर - 1789 की फ्रांसीसी क्रांति ने समाज और अर्थव्यवस्था की पुनर्रचना से संबद्ध अनेक नई विचारधाराओं को जन्म दिया। इसमें समाजवादी और साम्यवादी विचारधारा भी थी। ये सामाजिक-आर्थिक बदलाव के आधार पर समाज और अर्थव्यवस्था को पुनर्सरचना करना चाहते थे। औद्योगिक क्रांति के परिणामस्वरूप समाज में पूँजीपति और श्रमिक वर्ग का उदय हुआ। दोनों वर्गों के बीच गहरी आर्थिक खाई थी। इसे पाटने के लिए कुछ चिंतकों ने ऐसी अर्थव्यवस्था के निर्माण की वकालत की जिसमें उत्पादन के साधनों और पूँजी पर राज्य का नियंत्रण हो तथा उत्पादन व्यक्तिगत लाभ के लिए न होकर संपूर्ण समाज के लिए हो। ऐसे लोग समाजवादी कहलाए। आरंभिक समाजवादी (कार्ल मार्क्स के पहले के) 'आदर्शवादी' या स्वप्नदर्शी' कहलाए। वे वर्गसंघर्ष के स्थान पर वर्गसमन्वय की बात करते थे। ऐसे लोगों में प्रमुख में सेव साइमन, चार्ल्स फुरिए, लई ब्लों तथा रॉबर्ट ओवेन । फ्रेडरिक एंगेल्स, कार्ल मार्क्स और अन्य ने समाजवाद की नई व्याख्या प्रस्तुत की जो 'वैज्ञानिक समाजवाद अथवा साम्यवाद के नाम से जाना गया। 18वी - 20बी शताब्दियों में, विशेषकर बोल्शेवि क्रांति के बाद साम्यवाद का तेजी से प्रचार-प्रसार हुआ। समाजवादियों और साम्यवादियों में प्रमुख अंतर यह है कि जहाँ समाजवादियों ने समाज और अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन के लिए राज्य और समाज की भूमिका एवं वर्गसमन्वय की बात की, वहीं साम्यवादियों ने वर्गसंघर्ष, राज्यहीन और वर्गविहीन समाज की स्थापना पर बल दिया।

3. रूसी क्रांति के कारणों की विवेचना करें।

उत्तर - 1917 की रूस की क्रांति के पाँच कारण थे-

(i) राजनीतिक

(ii) सामाजिक

(iii) आर्थिक

(iv) धार्मिक

(v) बौद्धिक ।

(i) राजनीतिक – रोमोनोव वंश का शासक जार निकोलस द्वितीय सर्वशक्तिशाली और स्वेच्छाचारी था। प्रशासन भ्रष्टाचार व्याप्त था। सरकार की रूसीकरण की नीति ('एक जार, एक चर्च और एक रूस) से रूस में निवास करनेवाली विभिन्न प्रजातियों में असंतोष व्याप्त हुआ। अनेक विद्रोह हुए जिन्हें क्रूरतापूर्वक दबा दिया गया। बाल्कन युद्धों, क्रीमिया युद्ध और रूसी जापानी युद्ध में पराजय से जारशाही की शक्ति और प्रतिष्ठा कमजोर हो गई। प्रथम विश्वयुद्ध में पराजय तो क्रांति का तात्कालिक कारण बनी।

(ii) सामाजिक - रूस की अधिकांश जनसंख्या किसानों की थी। उनकी स्थिति दयनीय थी। 1861 में कृषिदासता समाप्त किए जाने के बाद भी उनकी स्थिति में सुधार नहीं आया । अतः, किसानों ने बार-बार विद्रोह किया और क्रांति के आधार बन गए।

(iii) आर्थिक – औद्योगिक दृष्टि से रूस एक पिछड़ा हुआ देश था। उद्योगों पर जार एवं कुलीनों का आधिपत्य था तथा राष्ट्रीय पूँजी का अभाव था। व्यापार का भी समुचित विकास नहीं हो सका । लगातार युद्धों से देश की अर्थव्यवस्था दिवालियापन के कगार पर पहुँच गई।

(iv) धार्मिक - रूस पर कट्टरपंथी ईसाई धर्म एवं चर्च का व्यापक प्रभाव था। नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता नहीं थी ।

(v) बौद्धिक - 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में रूस में बौद्धिक जागरण हुआ। अनेक साहित्यकारों; जैसे – प्लेखानोव, लियो टॉल्स्टॉय, इवान तुर्गनेव, मैक्सिम गोर्की, एंटन चेखव इत्यादि ने अपने लेखों और पुस्तकों द्वारा भ्रष्ट राजनीतिक, आर्थिक व्यवस्था की ओर रूसियों का ध्यान आकृष्ट कर उन्हें परिवर्तन के लिए उत्प्रेरित किया। मार्क्सवाद के बढ़ते प्रभाव से भी क्रांति की प्रेरणा मिली।

4. कार्ल मार्क्स के जीवन एवं कार्यों पर प्रकाश डालें। अथवा, मार्क्सवादी सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

उत्तर - कार्ल मार्क्स (1818–83) का जन्म जर्मनी के ट्रियर नगर में एक यहूदी परिवार में हुआ था। उसने बॉन तथा बर्लिन विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण की। 1843 में उसने अपने बचपन की मित्र जेनी से विवाह किया। मार्क्स रूसो, मॉन्टेस्क्यू एवं हीगेल के विचारों से गहरे रूप से प्रभावित था। पेरिस में फ्रेडरिक एंगेल्स से भेंट होने पर वह उसके विचारों से भी प्रभावित हुआ। एंगेल्स के साथ मिलकर मार्क्स ने 1848 में कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो नामक पुस्तक प्रकाशित किया। 1867 में उसने दास कैपिटल का प्रकाशन किया। मार्क्स पूँजीवाद का विरोधी था। उसने 'दुनिया के श्रमिकों एक हो' का नारा दिया। उसने यह भी कहा कि श्रमिकों को अपनी बेड़ियों के अलावा कुछ भी नहीं खोना है। मार्क्स के क्रांतिकारी विचारों के कारण उसे जर्मनी से निष्कासित कर दिया गया। उसने अपना शेष जीवन लंदन में व्यतीत किया। मार्क्स ने समाजवाद की एक नई व्याख्या प्रस्तुत की जिसे वैज्ञानिक समाजवाद अथवा साम्यवाद कहा जाता है। मार्क्स का मानना था कि आर्थिक गतिविधियाँ ही मानवजीवन और इतिहास के स्वरूप को निर्धारित करती हैं। मानव इतिहास वर्गसंघर्ष का इतिहास है। मार्क्स के अनुसार, इतिहास के पाँच चरण हैं-

(i) आदिम साम्यवादी युग

(ii) दासता का युग

(iii) सामंती युग

(iv) पूँजीवादी युग

(v) समाजवादी युग। इतिहास का छठा चरण आनेवाला है जो वर्गविहीन और वर्गसंघर्षमुक्त साम्यवादी युग होगा। मार्क्स ने निम्नलिखित सिद्धांतों का भी प्रतिपादन किया। ये हैं-

(i) द्वंद्वात्मक भौतिकवाद

(ii) वर्गसंघर्ष

(iii) इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या

(iv) मूल्य एवं अतिरिक्त मूल्य तथा

(v) राज्यहीन एवं वर्गविहीन समाज की स्थापना का सिद्धांत।

5. लेनिन की विदेश नीति का संक्षिप्त परिचय दें।

उत्तर - लेनिन की सरकार ने जार के समय से चली आ रही विदेश नीति में महत्त्वपूर्ण परिवर्तन किए गए-

(i) सर्वप्रथम, लेनिन ने रूस के जार अथवा केरेन्सकी सरकार द्वारा विदेशों के साथ की गई सभी गुप्त संधियों को भंग कर दिया।

(ii) अब सोवियत संघ में राष्ट्रीयता का सिद्धांत लागू किया गया। सोवियत संघ में रहनेवाली सभी पराधीन जातियों को स्वतंत्र कर उन्हें स्वायत्तता प्रदान की गई।

(iii) जर्मनी के साथ चलनेवाला युद्ध 1918 में ब्रेस्टलिटोवस्क की संधि द्वारा समाप्त कर दिया गया।

(iv) लेनिन ने साम्राज्यवाद-विरोधी नीति अपनाई। उसने वैसे सभी देशों को सहायता और समर्थन का आश्वासन दिया जो उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद के विरुद्ध संघर्षरत थे। 1921 में उसने इंगलैंड के साथ एक व्यापारिक संधि की। चीन एवं अफगानिस्तान के साथ भी उसने सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए।

(v) लेनिन की एक प्रमुख उपलब्धि थी थर्ड इंटरनेशनल एवं कौमिन्टर्न की स्थापना करना । लेनिन के इस कार्य ने सोवियत संघ का कायापलट कर दिया। वह शांति और प्रगति के मार्ग पर अग्रसर हुआ। 1924 तक इटली, जर्मनी और इंगलैंड ने सोवियत संघ की सरकार को मान्यता प्रदान कर दी।

6. लेनिन की नई आर्थिक नीति की विवेचना कीजिए।

उत्तर - लेनिन की नई आर्थिक नीति की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित थीं।

(i) किसानों से जबरदस्ती अनाज लेने के बदले उन्हें अनाज पर निश्चित कर देने को कहा गया।

(ii) सैद्धांतिक रूप से जमीन पर राज्य का स्वामित्व माना गया, परंतु व्यावहारिक रूप में जमीन पर किसानों को स्वामित्व दिया गया।

(iii) वैसे उद्योग जिनमें कामगारों की संख्या बीस से अधिक नहीं थी, उन्हें व्यक्तिगत स्वामित्व में चलाने का अधिकार पूँजीपतियों को दिया गया।

(iv) समुचित औद्योगिक विकास के लिए उद्योगों का विकेंद्रीकरण किया गया।

(v) औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए सीमित रूप से और निश्चित शर्तों पर विदेशी पूँजी निवेश की अनुमति दी गई।

(vi) जीवन एवं व्यक्तिगत संपत्ति की सुरक्षा के लिए राजकीय बीमा एजेंसियाँ खोली गईं।

(vii) विभिन्न स्तरों पर बैंक खोलकर बैंकिंग सेवा का विस्तार किया गया।

(viii) कामगारों के लिए ट्रेड यूनियन की अनिवार्य सदस्यता समाप्त कर दी गई। लेनिन की इस नीति की आलोचना की गई। इसे साम्यवादी सिद्धांतों और आदर्शों के प्रतिकूल माना गया, परंतु तत्कालीन परिस्थितियों में यह आवश्यक था।

1. समाजवादी भावना का उदय किस क्रांति क फलस्वरूप हुआ था?

(A)फ्रांसीसी क्रांति

(B) औद्योगिक क्रांति

(C) अमेरिकी क्रांति

(D) रूसी क्रांति

Ans – B

2. किस क्रांति के फलस्वरूप पूँजीपति वर्गों द्वारा मजदूरों का शोषण चरमोत्कर्ष पर था?

(A) अमेरिकी क्रांति

(B) फ्रांसीसी क्रांति

(C) रूसी क्रांति

(D) औद्योगिक क्रांति

Ans – B

3. किस अर्थव्यवस्था में उत्पादन के सभी साधनों कारखानों तथा विपणन में सरकार का एकाधिकार होता है?

(A) पूँजीवादी

(B) मिश्रित

(C) समाजवादी

(D) B और C दोनों

Ans – C

4. औद्योगिक क्रांति के कारण समाज का विभाजन कितने वर्गों में हो गया?

(A) एक

(B) दो

(C) तीन

(D) चार

Ans – B

5. फ्रांसीसी समाजवाद के विकास का जन्मदाता था—

(A) फुरिए

(B) राबर्ट ओवेन

(C) कार्ल मार्क्स

(D) सेंट साइमन

Ans – D

6. स्वप्नदर्शी समाज' का संस्थापक कौन था?

(A) ओवन

(B) मार्क्स

(C) एंजिल्स

(D) लेनिन

Ans – A

7. यूटोपियन समाजवादी कौन नहीं था?

(A) लुई ब्लां

(B) सेंट साइमन

(C) कार्ल मार्क्स

(D) रॉबर्ट ओवन

Ans – C

8. इंगलैंड में समाजवाद का जनक किसे माना जाता है?

(A) सेंट साइमन

(B) चार्ल्स फूरिए

(C) रॉबर्ट ओवेन

(D) लूई ब्लॉ

Ans – C

9. कार्ल मार्क्स का जन्म कहाँ हुआ था?

(A) जर्मनी

(B) इंग्लैंड

(C) फ्रांस में

(D) पोलैंड

Ans – A

10. प्रथम इंटरनेशनल की स्थापना हुई थी।

(A) रूस में

(B) फ्रांस में

(C) जर्मनी में

(D) लंदन में

Ans – D

11. साम्यवादी घोषणा-पत्र किसने प्रकाशित किया?

(A) कार्ल मार्क्स

(B) राबर्ट ओवेन

(C) सेंट साइमन

(D) मार्क्स एवं एंगेल्स

Ans – D

12. साम्यवादी घोषणा पत्र कब प्रकाशित हुआ?

(A) 1830

(B) 1883

(C) 1848

(D) 1857

Ans – C

13. 1919 ई० में तृतीय इंटरनेशनल अथवा कामिन्ट की स्थापना कहाँ हुई थी?

(A) जेनेवा

(B) मास्को

(C) पेरिस

(D)इटली

Ans – B

14. वर्ग संघर्ष के सिद्धांत की व्याख्या किसने की थी?

(A) फेड्रिक एंगेल्स

(B) रॉबर्ट ओवेन

(C) कार्ल मार्क्स

(D) इनमें कोई नहीं

Ans – C

15. कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो का प्रकाशन किस वर्ष हुआ था?

(A) 1844 में

(B) 1848 में

(C) 1864 में

(D) 1867 में

Ans – B

16. अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस किस तिथि को मनाया जाता है?

(A) 1 फरवरी को

(B) 1 मार्च को

(C) 1 अप्रैल को

(D) 1 मई को

Ans – D

17. द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय संघ (द्वितीय इंटरनेशनल) कब बना?

(A) 1848

(B) 1889

(C) 1890

(D) 1830

Ans – C

18. प्रथम अंतर्राष्ट्रीय संघ (प्रथम इंटरनेशनल) कब स्थापित हुआ?

(A) 1870

(B) 1864

(C) 1871

(D) 1890

Ans – B

19. दास कैपिटल किसकी रचना है ?

(A) कार्ल मार्क्स और एंगेल्स

(B) टॉलस्टाय और कार्ल मार्क्स

(C) एंगेल्स और टॉलस्टाय

(D) लेनिन और स्टालिन

Ans – C

20. 'कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो' के लेखक थे।

(A) मैक्सिम गोर्की

(B) कार्लमार्क्स और फ्रेडरिकएंगेस

(C) कार्लमार्क्स

(D) लियो टॉल्सटॉय

Ans – B

21. किसे समाजवादियों का बाइबल कहा जाता है?

(A) अप्रैल थीसिस को

(B) सोशल कन्ट्रैक्ट को

(C) दास कैपिटल को

(D) कम्युनिस्ट ने मेनिफेस्टो को

Ans – C

22. वैज्ञानिक समाजवाद की अवधारणा का प्रतिपादन किसने किया?

(A) रॉबर्ट ओवन

(B) कार्ल मार्क्स

(C) लाला लाजपत राय

(D) लुई ब्लॉक

Ans – B

23. “दास कैपिटल” का प्रकाशन किस वर्ष हुआ था?

(A) 1848 में

(B) 1864 में

(C) 1867 में

(D) 1883 में

Ans – C

24. समाजवादियों की बाइबिल किसे कहा जाता है?

(A) सोशल कांट्रैक्ट

(B) दास कैपिटल

(C) अप्रैल थीसिस

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – B

25. 'वार एंड पीस' किसकी रचना है?

(A) कार्ल मार्क्स

(B) लियो टॉलस्टॉय

(C) दोस्तोयेव्स्की

(D) ऐंजल्स

Ans – B

26. रूस की संसद को क्या कहा जाता है ?

(A) पार्लियामेंट

(B) संसद

(C) ड्यूमा

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – C

27. खूनी रविवार किस तिथि को तथा किस वर्ष हुआ था?

(A) 3 जनवरी, 1905 में

(B) 9 जनवरी, 1905 में

(C) 6 जनवरी, 1905 में

(D) 8 जनवरी, 1905 में

Ans –B

28. रासपुटिन कौन था?

(A) समाज सुधारक

(B) भ्रष्ट पादरी

(C) दार्शनिक

(D) वैज्ञानिक

Ans – B

29. रूस का पहला समाजवादी था—

(A) लेनिन

(B) टॉलस्टाय

(C) प्लेखानोव

(D) स्टालिन

Ans – C

30. 1917 की रूसी क्रांति के समय किस जार का शासन था ?

(A) पीटर

(B) एलेक्जेंडर प्रथम

(C) निकोलस प्रथम

(D) निकोलस द्वितीय

Ans – D

31. निहलिस्ट आंदोलन कहाँ शुरू हुआ था?

(A) रूस

(B) जापान

(C) टॉलैंट

(D) इंगलैंड

Ans – A

32. रूस में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी की स्थापना कब हुई?

(A) 1961

(B) 1917

(C) 1883

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – C

33. बोल्शेविक क्रांति कब हुई?

(A) फरवरी, 1917

(B) नवम्बर, 1917

(C) अप्रैल, 1918

(D) दिसम्बर, 1918

Ans – B

34. रूस में कृषक दास प्रथा का अंत कब हुआ?

(A) 1861

(B) 1862

(C) 1860

(D) 870

Ans – A

35. रूस में निहिलिस्टों ने सुधार के लिए कौन-सा मार्ग अपनाया?

(A) वार्ता का

(B) हड़ताल का

(C) विद्रोह का

(D) आतंक का

Ans – D

36. रूस में जार का अर्थ क्या होता था?

(A) पीने का बर्तन

(B) पानी रखने का मिट्टी का पात्र

(C) रूस का सामंत

(D) रूस का सम्राट

Ans – D

37. रूस में कृषि दासता किसने समाप्त की?

(A) जार० निकोलस |

(B) जार० निकोलस ||

(C) जार० एलेक्जेंडर प्रथम

(D) जार० एलेक्जेंडर द्वितीय

Ans – D

38. 1917 की पहली रूसी क्रांति किस नाम से जानी जाती है?

(A) फरवरी क्रांति

(B) अप्रैल क्रांति

(C) अक्टूबर क्रांति

(D) नवम्बर क्रांति

Ans – A

39. लेनिन ने ब्रेस्ट लिटोव्स्क की संधि (1918) किस राष्ट्र के साथ की थी?

(A) इंगलैंड

(B) फ्रांस

(C) जर्मनी

(D) इटली

Ans – C

40. 'अप्रैल थीसिस' किसने तैयार की?

(A) लेनिन

(B) ट्राटस्की

(C) स्टालिन

(D) मार्क्स

Ans – A

41. लाल सेना का गठन किसने किया था?

(A) कार्ल मार्क्स

(B) स्टालिन

(C) ट्रॉटस्की

(D) केरेंसकी

Ans – C

42. ब्रेस्टलिटोवस्क की संधि किन देशों के बीच हुआ था?

(A) रूस और इटली

(B) रूस और फ्रांस

(C) रूस और इंगलैंड

(D) रूस और जर्मनी

Ans – D

43. कौमिंटर्न की स्थापना का उद्देश्य क्या था?

(A) सैन्यवाद का प्रचार करना

(B) साम्यवाद का प्रचार करना

(C) पूँजीवाद का प्रचार करना

(D) समाजवाद का प्रचार करना

Ans – B

44. 'काम के अधिकार' को संवैधानिक अधिकार का रूप सबसे पहले कहाँ मिला?

(A) सोवियत संघ

(B) जर्मनी

(C) इंगलैंड

(D) फ्रांस

Ans – A

45. 1917 की बोल्शेविक क्रांति का नेतृत्व किसने किया था?

(A) स्टालिन

(B) लेनिन

(C) ट्राटस्की

(D) खुश्चेव

Ans – B

46. चेका क्या था?

(A) सेना की टुकड़ी

(B) पुलिस दस्ता

(C) पादरी वर्ग

(D) श्रमिक वर्ग

Ans – B

47. भूमि, शांति और रोटी ये तीन नारे किसने दिए?

(A) लेनिन ने

(B) ट्रॉटस्की ने

(C) स्टालिन ने

(D) कार्लमार्क्स ने

Ans – A

48. साम्यवादी शासन का पहला प्रयोग कहाँ हुआ था

(A) रूस

(B) जापान

(C) चीन

(D) क्यूबा

Ans – A

49. रूस की बोल्शेविक क्रांति का नेतृत्व किसन किया?

(A) केरेन्सकी

(B) ट्रॉटस्की

(C) लेनिन

(D) स्टालिन

Ans – C

50. नई आर्थिक नीति (NEP) का जन्मदाता था—

(A) कार्ल मार्क्स

(B) स्टालिन

(C) लेनिन

(D) ट्रॉटस्की

Ans – C

51. लेनिन ने नई आर्थिक नीति (NEP) की घोषणा कब की ?

(A) 1921

(B) 1922

(C) 1923

(D) 1924

Ans – A

52. लेनिन की मृत्यु कब हुई?

(A) 1921

(B) 1922

(C) 1923

(D) 1924

Ans – D

53. सोवियत संघ का विघटन किस वर्ष हुआ?

(A) 1991 मे

(B) 1985 में

(C) 1964 में

(D) 1952 में

Ans – A